



श्री गंगा सभा (रजि.)

हरिद्वार (उत्तराखण्ड)

संस्थापक :- भारत रत्न महामना पं० मदनमोहन मालवीय जी
(शताब्दी वर्ष 1916-2016)

(सोसायटी रजि. एक्ट 1860 की धारा 21 के अन्तर्गत पंजीकृत)



पत्रांक.....

दिनांक.....

विषय :- अमृत धारा – Faith to Future पहल के लिये प्रशंसा पत्र।

श्री गंगा सभा हरिद्वार, मास्टर मौलिक जैन एवं उनकी युवा छात्र टीम द्वारा संचालित “अमृत धारा—Faith to Future पहल की सरहाना करते हुए यह प्रशंसा पत्र प्रदान करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करती है।

हरिद्वार में प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु मां गंगा के तट पर पूजा-अर्चना करते हैं, जिसके परिणाम स्वरूप बड़ी मात्रा में पुष्प एवं धार्मिक अर्पण सामग्री उत्पन्न होती है। इन पवित्र अर्पणों का सम्मानजनक एवं पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन गंगा की स्वच्छता एवं पवित्रता के संरक्षण हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अमृत धारा पहल के माध्यम से मौलिक जैन एवं उनकी युवा छात्र टीम ने इन पवित्र पुष्पों को एकत्रित कर उन्हें धूप कोन एवं साम्राणी कप जैसे उपयोगी एवं धार्मिक उत्पादों में परिवर्तित करने का अभिनव प्रयास किया है। यह पहल आस्था, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट संगम प्रस्तुत करती है।

यह पहल न केवल गंगा में पुष्प अपशिष्ट के प्रवाह को कम करने में सहायक है, बल्कि नागरिकों एवं श्रद्धालुओं के बीच पर्यावरण जागरूकता बढ़ाने का कार्य भी कर रही है।

विशेष रूप से सराहनीय है कि इस पहल के माध्यम से स्थानीय महिलाओं को उत्पाद निर्माण प्रक्रिया से जोड़कर उन्हें कौशल विकास एवं आजीविका के अवसर प्रदान किये जा रहे हैं, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

श्री गंगा सभा का मानना है कि अमृत धारा जैसी पहलें स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक सहभागिता तथा जिम्मेदार धार्मिक आचरण को बढ़ावा देती है, और समाज के लिये प्रेरणास्त्रोत हैं।

हम मास्टर मौलिक जैन एवं उनकी युवा छात्र टीम को इस सराहनीय प्रयास हेतु हार्दिक शुभकामनाएं एवं प्रशंसा प्रदान करते हैं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

भवदीय

(तन्मय वशिष्ठ)

महामंत्री

श्री गंगा सभा (रजि०) हरिद्वार